वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 303 मंगलवार 28 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान में बारिश का अलर्ट

गरज-चमक के साथ हो सकती है बरसात, बढ़ती गर्मी को लगेगा ब्रेक

जयपुर मौसम केंद्र के डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा ने बताया- एक कम प्रभाव का नया पश्चिमी विक्षोभ 28 फरवरी की शाम से राजस्थान के उत्तर-पश्चिम बेल्ट में एक्टिव होगा। इसका असर बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिलों के आसपास देखने को मिलेगा।

जयपुर. कासं

राजस्थान में बढ़ती गर्मी को ब्रेक लग सकता है। मौसम विभाग ने गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान जताया है। मौसम में यह बदलाव एक मार्च तक रहेगा। इसके असर से बीकानेर संभाग और शेखावाटी के इलाकों में बादल छाने के साथ बारिश हो सकती है। जयपुर मौसम केंद्र के डायरेक्टर राधेश्याम शर्मा ने बताया- एक कम प्रभाव का नया पश्चिमी विक्षोभ 28 फरवरी की शाम से राजस्थान के उत्तर-पश्चिम बेल्ट में एक्टिव होगा। इसका असर बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिलों के आसपास देखने को मिलेगा। यहां एक मार्च को कई जगह बादल छाने, बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बूंदाबांदी, बरसात की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस सिस्टम का असर एक मार्च तक रहेगा। इस दौरान जयपुर, कोटा, अजमेर, जोधपुर और उदयपुर संभाग में मौसम में कोई खास बदलाव नहीं आएगा। सामान्य रूप से मौसम शुष्क रहेगा।

4 मार्च से उदयपुर, कोटा संभाग में बदलेगा मौसम

मौसम केंद्र के मुताबिक 4 मार्च से उदयपुर, कोटा संभाग में भी एक हल्के प्रभाव का सिस्टम एक्टिव होने स्थितियां बन रही हैं। 4-5 मार्च को उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा जिलों में मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिलेगा। इस दौरान यहां हल्की धूलभरी हवाएं चलने के साथ आसमान में बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है।

मार्च के पहले सप्ताह में कंट्रोल रहेगा तापमान

शर्मा ने बताया- पिछले कुछ समय से लगातार टेम्प्रेचर बढ़ रहा है। नए वेदर सिस्टम से यह मार्च के पहले सप्ताह में कंट्रोल होगा। हालांकि इन सिस्टम के असर से तापमान में ज्यादा डाउनफॉल नहीं आएगा। तापमान 30 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहेगा।

गर्मी से किसानों की बढ़ीं मुश्किलें

आजकल राजस्थान के कई शहरों में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 4 या 5 डिग्री सेल्सियस ऊपर चल रहा है। इसका सबसे ज्यादा खामियाजा किसानों को उठाना पड़ रहा है। समय से पहले सरसों, तारामीरा की फसलें पक रही हैं। पारा बढ़ने से पैदावार प्रभावित होने की आशंका है। तापमान गिरने से किसानों को भी राहत मिलेगी।

गोविंददेवजी मंदिर में होलिकाउत्सव की शुरूआत

देशभर के कलाकारों ने गोविंद के दरबार में लगाई सांस्कृतिक हाजरी, कथक प्रस्तुति ने बटोरी तालियां

जयपुर. कासं

जयपुर के आराध्य गोविंददेवजी मंदिर में चार दिवसीय होलिकाउत्सव की शुरूआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी और व्यवस्थापक मानस गोस्वामी ने सत्संग भवन में ठाकुरजी का पूजन कर इसकी शुरूआत की। इस दौरान देशभर के कलाकारों ने प्रस्तुति देते हुए खूब तालियां बटोरी। इस दौरान कुंज बिहारी जाजू ने ढूंढाड़ी भाषा में अरजी म्हारी जी होली खेलण की मरजी थारी जी जैसी फाल्गुनी रचनाओं की तान छेड़ी। पं. जगदीश शर्मा ने गणेश वंदना के बाद भक्त कवि युगल की रचना पाछा सें मटकी फोड़ी या काईं की होरी रचना सुनाई। कथक नृत्य गुरु शशि सांखला के दल के कलाकारों ने नृत्य से लोगों की तालियां बटोरी। इन प्रस्तुतियों पर गायक मुन्नालाल भाट ने गायन किया। नृत्य गुरू डॉ शशि सांखला व उनकी शिष्याओं ने गोपेश्वर नंदन नामक कृष्ण वंदना पर भावपूर्ण प्रस्तुति देकर गोविंद के दरबार में चल रहे फागोत्सव कार्यक्रम में शिरकत की। विभिन्न कृष्ण लीलाओं को कथक नृत्य में पिरोकर श्रद्धालु दर्शकों को भक्तिभाव से अभिभूत कर दिया। नृत्य का निर्देशन शशि सांखला ने किया। प्रस्तुति में नृत्यांगना झंकृति, निभा व राधिका ने कथक की सुंदरता जाहिर की। गायन पर मुन्ना लाल, तबले पर मुजफ्फर रहमान, सितार पर हरिहर, सारंगी पर मोइनुद्दीन और पढ़ंत पर शशि सांखला रहीं। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कथक नृत्यांगना मनीषा गुलियानी ने नृत्य प्रस्तुति से हाजिरी दी। उनके साथ गायन रमेश मेवाल ने किया। नवीन शर्मा ने फागण आय गयो रे होली खेलो रसिया गाया। कुमार नरेन्द्र ने अपनी प्रसिद्ध रचना म्हारा राधा गोविंद पलकां उघाड़ो फागण आ गयो से माहौल को रंगों से सराबोर कर दिया। इसके बाद कथक नृत्यांगना स्वाति गर्ग और उनके दल ने ए री आज होरी मैं खेलूंगी डट के पद पर कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके बाद रंग डारुंगी नंद के लालन पर गीत पर उन्हीं की शिष्याओं ने नृत्य प्रस्तुत किया। इसके बाद मैं कैसे होरी खेलूं री सांवरिया के संग गीत की प्रस्तुति दी गई।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के कवि सम्मेलन मे देर रात्रि तक रंग जमा

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप रीजन के तत्वावधान मे हुआ कार्यक्रम

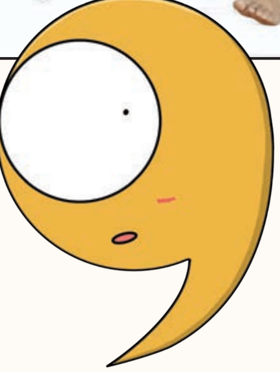

कवि सम्मेलन का दीप प्रज्जवलन महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी ने किया।

हास्य-व्यंग्य, चले शब्दों के बाण

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के कवि सम्मेलन मे देर रात्रि तक हास्य-व्यंग्य, राजनीति तंज, आसपास की रोजमर्रा की घटनाओं पर शब्दों के बाण प्रसिद्ध हास्य कवियों कमलेश जैन, बुद्धिप्रकाश दाधीच, प्रताप फौजदार, पी के मस्त, सुनील व्यास, शंभू शिखर, कल्पना शुक्ला ने जयपुराइट्स को होली की हंसी ठिठोली में रंग दिया। हंसी-ठहाकों की यह शाम दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडेरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर की ओर से तथा आर.के.मार्बल वंडर सीमेंट और एआरएल इंफोटेक के सहयोग से भट्टाराक जी की नसियां में आयोजित किया गया। हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवियों ने हास्य की ऐसी फुहार बिखेरी की लोग देर रात्रि तक इन कवियों की गुदगुदाती रचनाओं के रस में भीगते-मुस्कुराते रहे। इस शाम कवियों ने आज की राजनीतिक घटनाओं के साथ समाज की वर्तमान दशा, आसपास की घटनाओं के साथ देश-दुनिया की वर्तमान दशा आदि पर व्यंग्य बाण छोड़कर व्यवस्था पर तीखे प्रहार किए। उठते ठहाकों और तालियों की गड़गड़ाहट ने कवियों का हौसला बढ़ाया। अपने चुटिले अंदाज में मंच संचालन करते हुए डॉ. कमलेश जैन 'बसंत' ने सबसे पहले बुलाया उभरती कवियत्री सलोनी जैन को, उन्होंने महावीर वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। इनके बाद दिल्ली से आई रचनाकार कल्पना शुक्ला ने मां शारदे की वंदना के साथ अपनी पुरकशिश आवाज मे श्रंगार भाव में सुनाया, 'मैं गमकती रहूं वाटिका की तरह, मंत्र जपती रहूं साधिका की तरह, लक्ष्य पाऊं कोई गम नहीं, बस भटकती रहूं राधिका की तरह। हास्य रस के मशहूर कवि प्रताप फौजदार ने सामाजिक रिश्तों पर तंज करते हुए सुनाया, 'घरवाली की चुप्पी अच्छी लगती है और पड़ौसन गप्पी अच्छी लगती है, जिस बच्चे की मम्मी खूबसूरत हो उस बच्चे की पप्पी अच्छी लगती है। संचालन कर रहे कमलेश बसंत ने सियासत पर व्यंग्य करते हुए सुनाया, 'देह पूरी लड़ी बस मिली बोटियां, इस शहादत में खेली गई गोटियां, तेरे घर पे चूल्हा न जला बीस दिन, पर सियासत में सेकीं गई रोटियां। कवि शंभू शिखर ने राजनीति वादे को इन शब्दों में व्यक्त किया, 'नाराजगी ऐसे थी हम दिखाते रहेंगे, तुम तोड़ो वादा और हम निभाते रहेंगे, जगतक नहीं आते हैं, 15 लाख खाते में तब तक तुम्हे मोदीजी हम जिताते रहेंगे। सम्मेलन में राजस्थानी गीतकार और हास्य कवि बुद्धि प्रकाश दाधीच, सुनील व्यास ने भी अपनी रचनाओं से सभी का दिल जीता। सम्मेलन का प्रारंभिक संचालन नीरज जैन और राखी शुक्ला ने किया। कवि सम्मेलन का दीप प्रज्जवलन महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी ने किया। सोशल ग्रुप के अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका तथा सचिव अनिल - निशा संघी ने बताया कि समरोह की अध्यक्षता प्रमुख समाज सेवी विनोद तिजारिया ने की मुख्य अतिथि ए आर एल ग्रुप के नंदकिशोर प्रमोद पहाड़िया तथा दीप प्रज्जवलन कर्ता महावीर दिगम्बर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष थे। रिजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, सचिव निर्मल संघी ने बताया कि समारोह मे प्रमुख समाज सेवी सुरेंद्र पाण्डया, समाचार जगत के सम्पादक शैलेन्द्र गोधा,डॉ पीसी जैन, नेशनल रोड सेफ्टी मेम्बर निर्मल सोगानी, समाज सेवी विनय सोगानी, जीतेंद्र गंगवाल, फेडरेशन महासचिव विमल अजमेरा, विपुल बांझल, आशीष जैन थे। अतिथियों का स्वागत मुख्य समन्वयक यश कमल अजमेरा, परामर्शक दर्शन जैन, समन्वयक मनीष लोंग्या ने आयोजन समिति के साथ किया ।

@... पेज 3 पर

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति कवि सम्मेलन

शब्दों के संसार में खोए लोग...

हंसी-ठहाकों की यह शाम दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडेरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर की ओर से तथा आर.के.मार्बल वंडर सीमेंट और एआरएल इंफोटेक के सहयोग से भट्टाराक जी की नसियां में आयोजित किया गया। हास्य-व्यंग्य कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवियों ने हास्य की ऐसी फुहार बिखेरी की लोग देर रात्रि तक इन कवियों की गुदगुदाती रचनाओं के रस में भीगते-मुस्कुराते रहे।

वेद ज्ञान

अमृत संदेश

संसार में प्रतिद्वंद्वी रहेंगे ही, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि एक-दूसरे से घृणा की जाए। अहिंसा एक शाश्वत तत्व है। शून्यांश पर हिंसा नहीं, अहिंसा ही है। सह अस्तित्व के लिए अहिंसा अनिवार्य है। दूसरों का अस्तित्व मिटाकर अपना अस्तित्व बनाए रखने की कोशिश अंततः घातक होती है। अहिंसा भारतीय संस्कृति की मुख्य पहचान है। अहिंसा सभी को अभय प्रदान करती है। वह सृजनात्मक है और समृद्धि से युक्त है। आज का सभ्य संसार वातावरण में घुटन और अस्वस्थता का अनुभव कर रहा है। एक ओर कहीं विध्वंसक भौतिकता व्याप्त है तो दूसरी ओर स्वार्थपरक भावनाओं से वह विषाक्त हो रहा है। आज शांति के लिए एक आध्यात्मिक जाग्रति आवश्यक है जो राष्ट्र, समाज और परिवार से हिंसा का अंधकार दूर कर सके। महावीर स्वामी का अमृत संदेश समस्त प्राणी जगत के कुशल-क्षेम का संवाहक है, अपार शांति का अक्षय स्रोत है। जैन धर्म में अहिंसा का बड़ा ही व्यापक अर्थ लगाया जाता है। किसी की हत्या न करना या खून न बहाना ही अहिंसा का उदाहरण नहीं है। मन-वचन-कर्म से किसी को कोई कष्ट न देना अहिंसा है। अहिंसा के अंतर्गत केवल मानव ही नहीं पशु-पक्षी, जीव-जंतु को भी कष्ट नहीं पहुंचाना है। अर्थात अपनी आत्मा के समान ही सबको मानो। अहिंसा का संबंध मनुष्य के हृदय के साथ है, मस्तिष्क के साथ नहीं। जिसके जीवन में अहिंसा का स्वर झंकृत होता है, वह केवल शत्रु को ही प्यार नहीं करता, बल्कि उसका कोई शत्रु होता ही नहीं है। जिसको आत्मा के अस्तित्व में विश्वास है, वही हिंसा का त्यागी हो सकता है। कुछ लोग अहिंसा को कायरता और निर्बलता मानते हैं, किंतु महात्मा गांधी ने अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही इतने बड़े ब्रिटिश साम्राज्य से अपने देश को स्वतंत्र करा लिया था। मनुष्य की तमाम विकृत प्रवृत्तियां हिंसा की ही देन हैं, जिसके कारण शांति का वृक्ष सूख रहा है। प्रेम की फसलों पर स्वार्थ और लोभ का पाला पड़ गया है। सौहार्द की टहनियां टूट कर गिर रही हैं। अहिंसा शुष्क-नीरस-जड़ पदार्थ नहीं, यह वह चेतना है जो आत्मा का विशेष गुण है।

संपादकीय

कानून-व्यवस्था पर अराजकता है हावी

पंजाब में अमृतसर के अजनाला में एक पुलिस थाने में गुरुवार को जैसे हालात हो गए थे, उससे एकबारगी यह लगा कि शायद राज्य में कानून-व्यवस्था ढह चुकी है और अराजकता हावी है। हालांकि यह कहा जा सकता है कि ऐसी अप्रत्याशित स्थिति कहीं भी आ सकती है, लेकिन अगर इसके बरक्स पुलिस और शासन-व्यवस्था एकदम लाचार और इससे भी आगे उपद्रवियों के सामने समर्पण करती हुई दिखाई दे तब ऐसे में आम जनता अपनी सुरक्षा की उम्मीद किससे करेगी। दरअसल, वहां पुलिस ने लवप्रीत सिंह नाम के व्यक्ति को अपहरण समेत कई अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। लवप्रीत सिंह को वहां एक कट्टरतावादी सिख संगठन **''वारिस पंजाब दे''** के प्रमुख अमृतपाल सिंह का करीबी माना जाता है, जो उसे रिहा कराने के मकसद से हजारों समर्थकों के साथ अजनाला थाने पर पहुंच गया गया था। भीड़ में कई लोग बंदूक और तलवार से भी लैस थे। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भीड़ के तेवर और दबाव के सामने वहां मौजूद पुलिसकर्मी लाचार दिखे। यों प्रदर्शनकारियों से सीधे हिंसक तरीके से ही निपटना कोई बेहतर विकल्प नहीं माना जाता है, लेकिन एक तरह से समूचे प्रशासन का मूकदर्शक रहना एक विचित्र स्थिति थी। हैरानी की बात यह है कि अजनाला थाने का घेराव दिखने में अचानक हुई घटना लगती है, मगर सच यह है कि इसकी पृष्ठभूमि कई दिनों से तैयार हो रही थी और शायद पुलिस ने सुचिंतित तरीके से इस मामले से निपटने के लिए समय रहते कदम नहीं उठाए। सवाल है कि क्या अपने एक व्यापक तंत्र के बावजूद वहां की पुलिस को कट्टरतावादी संगठन के मुद्दे, उनके काम करने के तरीके और उसके संरक्षकों की प्रतिक्रिया का अंदाजा नहीं था? अगर किसी संवेदनशील मामले में पुलिस ने इस संगठन के किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया भी था, तो क्या इससे पहले पूरी तैयारी जरूरी नहीं थी? आखिर क्या वजह है कि थाने पर हमले के बाद पैदा हुई स्थिति में पुलिस को अपना रुख नरम करना पड़ा? लवप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के आधार कितने मजबूत थे कि अजनाला की एक अदालत ने उसे रिहा करने में ज्यादा वक्त नहीं लगाया? अगर महज उसके समर्थकों के प्रदर्शन के दबाव में आकर पुलिस ने अपने कदम पीछे खींचे तो इसे कानून-व्यवस्था के लिहाज से कैसे देखा जाएगा? गौरतलब है कि **''वारिस पंजाब दे''** और उसके मुखिया अमृतपाल सिंह को खालिस्तान से सहानुभूति रखने वाला माना जाता है। अगर इस धारणा में सच्चाई है तो समझा जा सकता है कि इस संगठन की चुनौती अब मौजूदा संदर्भों में किस रूप में खड़ी हो रही है। पंजाब में अतीत के दिन आज भी बहुत सारे लोग भूल नहीं सके होंगे और कोई नहीं चाहेगा कि वह त्रासदी फिर से खड़ी हो। लेकिन सरकार और पुलिस-प्रशासन का रवैया अगर बेहद सुचिंतित, परिपक्व और सावधानी से भरा नहीं रहा तो आने वाले वक्त में छोटी-छोटी घटनाएं कैसा मोड़ लेंगी, कहा नहीं जा सकता।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

मर्यादा...

राजनीति में पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई गलत बात नहीं, बशर्ते वह मर्यादा के भीतर हो। मगर हमारे राजनीतिक दल और राजनेता शायद इस तकाजे को भुलाते जा रहे हैं या फिर राजनीति का स्तर ही सिद्धांतों और मुद्दों से खिसक कर व्यक्तिगत छींटाकशी पर उतर आया है। इसके अनेक उदाहरण राजनीतिक दलों और सत्ता के शीर्ष तक मौजूद हैं। इसका ताजा उदाहरण कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के बयान में दिखा, जब उन्होंने प्रधानमंत्री के निजी जीवन पर हमला बोला। स्वाभाविक ही उसे लेकर भारतीय जनता पार्टी में रोष पैदा हुआ। उनके खिलाफ कई जगह मुकदमे दर्ज कराए गए। उसी क्रम में असम की पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने दिल्ली पहुंच गई। मगर उसने गिरफ्तारी का जो तरीका अपनाया और जो समय चुना, वह किसी को भी उचित नहीं लगा। खेड़ा पार्टी के अधिवेशन में हिस्सा लेने रायपुर जा रहे थे। हवाई जहाज में बैठ चुके थे। तब उन्हें जहाज से उतार कर गिरफ्तार किया गया। इसे लेकर खासा हंगामा हुआ और आखिरकार उस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने दखल दिया, तब वह शांत हो सका। उचित ही इसे लेकर सरकार के रवैए पर भी सवाल उठे। इसलिए कि यह ऐसा मामला नहीं था, जिसमें गिरफ्तारी के लिए ऐसी हड़बड़ी दिखाई जाए। यह पहली बार नहीं है, जब किसी राजनेता के अभद्र, उत्तेजक और जानबूझ कर मानहानि करने वाले बयान पर अदालत ने फटकार लगाई या संयम बरतने की नसीहत दी। पवन खेड़ा की गिरफ्तारी पर रोक लगाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि आप लोगों को संयम बरतना चाहिए। मगर यह बात कांग्रेस को कितनी समझ आई, कहना मुश्किल है। खेड़ा को रिहाई मिलते ही कांग्रेस के नेताओं ने अपनी सफाई में तमाम वे बयान साझा करने शुरू कर दिए, जो प्रधानमंत्री ने विभिन्न मौकों पर दिए थे। इस तरह गड़े मुर्दे उखाड़ कर एक तरह से अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को उकसाया जाने लगा। इससे लगता नहीं कि दोनों पार्टियों के नेता आने वाले वक्त में भी ऐसी अशोभन टिप्पणियों से बाज आने वाले हैं। सार्वजनिक जीवन में राजनेताओं का आचरण नीचे के कार्यकर्ताओं के लिए अनुकरणीय बन जाता है, इसलिए अगर कोई दल या नेता किसी गलत परंपरा या आचरण को उचित ठहराने पर तुल जाता है, तो उसका असर पूरे समाज पर दिखाई देने लगता है। मगर शायद राजनीतिक दलों को इसकी परवाह नहीं, उन्होंने मान लिया है कि सड़कछाप भाषा से जनाधार मजबूत होता है। बड़प्पन इस बात में नहीं कि कोई छींटाकशी करे, तो आप भी उसका जवाब उसी लहजे में दें। असम पुलिस ने जिस तरह पवन खेड़ा को गिरफ्तार किया, उस पर भी सवाल उचित हैं। उसकी तत्परता से स्पष्ट हो गया कि उसकी कार्रवाई सत्ता प्रेरित है। अगर इस तरह उन्हें गिरफ्तार न किया जाता, तो शायद बहुत सारे लोगों का ध्यान उनके उस बयान की तरफ जाता भी नहीं। पर अब जो नहीं जानते थे, उन्हें भी पता लग गया। अगर किसी ने जुर्म किया है, तो उसके खिलाफ निस्संदेह कार्रवाई होनी चाहिए। मगर अपराध की गंभीरता को देखते हुए कार्रवाई की जाती है। ऐसा नहीं हो सकता कि पुलिस खुद नियम-कायदों को ताक पर रख कर कार्रवाई करे। अगर असम सरकार इस मामले में थोड़ा संयम बरतती, तो उससे उसका बड़प्पन ही जाहिर होता। इस तरह मर्यादाएं अब एक तरफ से नहीं, दोनों तरफ से टूटती नजर आती हैं। अफसोस कि जिन लोगों से आदर्श आचरण की अपेक्षा की जाती है, वही अमर्यादित आचरण करते देखे जाते हैं।

राजगढ़ धाम पर नशा मुक्ति अभियान में उमड़ा आस्था का सैलाब

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अजमेर जिले के सुप्रसिद्ध सर्वधर्म धार्मिक स्थल श्री मसाणिया भैरव धाम राजगढ़ पर रविवार को श्रद्धालुओ की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। धाम के उपासक चम्पालाल महाराज ने सर्वप्रथम मंदिर परिसर में बाबा भैरव व माँ कालिका के साथ चक्की वाले बाबा तथा सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तम्भ की पूजा अर्चना की। चम्पालाल महाराज के सानिध्य व प्रकाश जैन अध्यक्ष सर्वधर्म मैत्री संध अजमेर के संयुक्त तत्वावधान में धाम पर अजमेर जिले व प्रदेश को पूर्णतया नशामुक्त हो जिसके लिये मुख्य मंदिर चक्की वाले बाबा के मंदिर से धाम तक विशालकाय रैली निकाल कर स्वेच्छा से नशा मुक्ति का संकल्प दिलवाया। तत्पश्चात श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए महाराज ने कहा कि नशा विनाश का मूल कारण है व नशा ही समस्त बुराईयों की जड़ है नशे का त्याग करना चाहिए। नशे के ज्यादा सेवन से दुर्घटनाओं व कैंसर जैसी बीमारियों से अधिकतर लोग असमय अकाल मृत्यु को प्राप्त होते हैं। नशा हमारी संस्कृति व देश के लिए बिलकुल सही नहीं है। युवा पीढ़ी के कई युवा जिनको नशे की लत लग चुकी है उनका भविष्य अंधकारमय है। दुर्घटनाओं में अपंगता व मृत्य, समाज में गरीबी व भयंकर बीमारियों से अकाल मृत्य का मूल कारण नशा ही होता है। धाम पर आए हजारों श्रद्धालुओं ने चम्पालाल महाराज की प्रेरणा स्वरूप अपने दोनों हाथ उठाकर जीवन में दोबारा नशा नहीं करने का संकल्प लिया। साथ ही भिक्षावृत्ति को समाज का कलंक बताते हुए उससे मुक्त कराने का संकल्प दिलाया। धाम के प्रवक्ता अविनाश सेन ने बताया कि धाम पर आए हुए श्रद्धालुओं के लिए श्री मसाणिया भैरवधाम राजगढ चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से शनिवार की पूरी रात निःशुल्क चाय की व्यवस्था की गई। सेन ने बताया कि नशा मुक्त समाज को बढ़ावा देने के लिए राजगढ़ धाम पर पिछले कई दशकों से नशामुक्ति महाअभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत श्रद्धालुओं को नशा मुक्त करने हेतु प्रेरित किया जाता है व उनसे संकल्प दिलाया जाता है तथा नशे से मुक्त किया जाता है और नशामुक्ति महाअभियान राजगढ़ भैरव धाम की पहचान बन चुका है। धाम पर हजारों की भीड़ के चलते श्रद्धालुओ को अपनी बारी के लिये घण्टो तक इन्तजार करना पड़ा जिसके बाद सभी ने बाबा भैरव,माँ कालिका के दर्शन करते हुए सर्वधर्म मनोकामनापूर्ण स्तम्भ कर परिक्रमा कर चमत्कारी चिमटी प्राप्त करने के पश्चात मुख्य स्थान चक्की वाले बाबा के मंदिर पर राजा रानी कल्पवृक्ष के भी परिक्रमा करी।

चित्रगुप्ता सभा एवं एचसीजी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में

जोड़ रोग एवं मस्तिष्क रोग जागरूकता एवं परामर्श शिविर में सैकड़ों लाभान्वित

उदयपुर. शाबाश इंडिया

चित्रगुप्ता सभा एवं एचसीजी हॉस्पीटल फोर्टी ओर्थो टीम के संयुक्त तत्वावधान में हिरणमगरी सेक्टर - 4 स्थित चित्रगुप्त सभा भवन में जोड़ रोग एवं मस्तिष्क रोग जागगरूकता एवं परामर्श शिविर रविवार को आयोजित हुआ। इस अवसर पर अहमदाबाद के वरिष्ठ जोड़ रोग एवं घुटना प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु माथुर ने कहा कि बदलती जीवन शैली के कारण आमजन मोटापा, मधुमेह एवं आर्थराईटिस जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हैं। जिसके चलते कम उम्र में ही लोगों को न चाहते हुए भी ऑपरेशन का दर्द झेलना पड़ रहा है। डॉ.माथुर ने कहा कि घुटना प्रत्यारोपण में अब मोबीरिस्टोर तकनीक से मात्र 15-20 में मिनिट में घुटना बदला और मरीज को अगले ही दिन अपने पैरों चलाया जाता है। इसमें फिजियोथैरेपी की भी कम आवश्यकता पड़ती है। इस तकनीक में ऑपरेशन होने के पश्चात मरीज नीचे भी बैठ सकता है लेकिन उसे कम समय के लिये ही बैठना चाहिए। उन्होंने बताया कि माइक्रो प्लास्टी के जरिये मरीज के पूरे घुटनों की बजाय केवल खराब हुए पार्ट को भी बदला जा सकता है। वे कहते हैं इस हॉस्पिटल में आयुष्मान भारत और आरजीसीएच कैशलैस सुविधा के साथ भी मरीजों का उपचार किया जा सकता है। इस अवसर पर मस्तिष्क रोग विशेषज्ञ डॉ. पार्थ जानी ने बताया कि स्पाइन एवं न्यूरो समस्या में भी नवीन तकनीक का उपयोग कर अब बिना ओपन सर्जरी के ब्रेन ट्यूमर निकला जा सकता है। एन्डोस्कोपिक और माइक्रोस्कोपिक के जरिये स्पाइन व ब्रेन का ईलाज तथा स्पेशल न्यूरो मोनोटोरिंग से स्पाईन कोड सर्जरी की जा रही है। इस अवसर पर चित्रगुप्त सभा के अध्यक्ष गिरीशनाथ माथुर ने बताया कि शिविर में 197 रोगियों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया है। जिन्हें फिजियोथैरेपी की आवश्यकता थी उन्हें निःशुल्क सेवा उपलब्ध कराई गई। शिविर में जलपा पण्डित, पार्थ सोलंकी, मेडिकल ऑफिसर हितेन्द्र पटेल, प्रदीप मकवाना, फोर्टी ओर्थो टीम के अनिल शर्मा, महेन्द्र कुमार माथुर, दिनेश माथुर, वीरेन्द्र माथुर, गोविन्द माथुर, दिलीप माथुर, सन्नी माथुर तथा अरविन्द माथुर ने सेवायें दी।

रिपोर्टः राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइलः9829050939

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से बदलेगा भारत का भविष्य: राजेन्द्र महावीर

शिक्षा महाविद्यालय खण्डवा में रखे विचार

सनावद. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुख्य प्रावधान एव चुनौतियाँ-स्कूल शिक्षा के सन्दर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शासकीय शिक्षा महाविद्यालय खण्डवा में किया गया। खरगोन जिले से वक्ता के रूप में शिक्षाविद व प्रखर विचारक, चिंतक राजेन्द्र जैन महावीर सनावद ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यदि नीति का क्रियान्वयन सही ढंग व सही नीयत से हो जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति से भारत का भविष्य बदल सकता हैं। नीति के नवीन प्रावधान 5+3+3+4 स्पष्ट करते हुए जैन ने बताया कि पहले 10+2 की शिक्षा प्रणाली थी, अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने पूर्व प्राथमिक को सम्मिलित कर पंद्रह वर्ष की शिक्षा की जिम्मेदारी सरकार ने ली है। शासकीय विद्यालय में अब तीन वर्ष से ही बच्चा प्रवेश लेगा जिसमे नर्सरी के.जी. प्रथम व द्वितीय के साथ कक्षा पहली व दूसरी पढ़ेगा, जिसमें बस्ते का बोझ नही होगा खेल-खेल में शिक्षण होगा, परीक्षा नही होगी, यह फाउण्डेशन कोर्स होगा। कक्षा तीसरी, चौथी, पाँचवी को प्राथमिक कहा जाएगा जिसमें मातृभाषा, में शिक्षण होगा, परीक्षा भी होगी।

छटवीं से होगी व्यवसायिक शिक्षा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अब माध्यमिक स्तर से ही व्यावसायिक शिक्षा होगी, विद्यार्थियों को इन्टनशिप भी कराई जाएगी। कक्षा 9 से ही उसे विषय लेने की स्वतंत्रता होगी ,परीक्षा के स्थान पर सेमेस्टर सिस्टम होगा। गणित के साथ आर्ट, आर्ट के साथ कॉमर्स, कृषि आदि अलग-अलग विषय भी लिए जा सकेंगे। अनेक प्रावधानों पर सागर संभाग लोक शिक्षण के संयुक्त संचालक डॉ. मनीष वर्मा, जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान के वरिष्ठ व्याख्याता केशव पाराशर, सुशील गौर ने भी अपने उल्लेखनीय विचार व्यक्त करते हुए अनेक प्रावधानों पर विचार साझा किए। स्वागत भाषण महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती तनुजा जोशी ने दिया। संचालन व्याख्याता अखिलेश बरोले ने करते हुए विषय की प्रासंगिकता को स्पष्ट किया। विदिशा केन्द्रीय विद्यालय की खेल अधिकारी श्रीमती रंजना वर्मा ने विशेष रूप से शारीरिक शिक्षा पर विचार रखें। इस अवसर पर डॉ. जे. एस. छाबड़ा, राकेश यादव, डॉ. मो. अय्यूब खान ममता यादव व शिक्षा महाविद्यालय में अध्ययनरत बीएड एमएड के 200 से अधिक छात्राध्यापक सम्मिलित हुए। आभार वरिष्ठ व्याख्याता राकेश यादव ने व्यक्त किया।

> **शासकीय विद्यालय में अब तीन वर्ष से ही बच्चा प्रवेश लेगा जिसमे नर्सरी के.जी. प्रथम व द्वितीय के साथ कक्षा पहली व दूसरी पढ़ेगा, जिसमें बस्ते का बोझ नही होगा खेल-खेल में शिक्षण होगा**

समिति की सेवा से आश्रमवासी हुए भाव विभोर

वृद्धजनों को नारेली मंदिर के दर्शन,गौशाला में सेवा दिलवाने के पश्चात स्वादिष्ठ भोजन कराया

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर एवम श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवम युवा महिला संभाग अजमेर द्वारा जय अम्बे सेवा समिति द्वारा संचालित वृद्ध एवम अशक्त आश्रम में रहने वाले पच्चीस आश्रम वासियों को अजमेर के अंचल में स्थापित ज्ञानोदय तीर्थ क्षेत्र नारेली मंदिर जी के दर्शन कराए एवम वृद्धजनों ने अपने हाथो से गौशाला की अशक्त गौमाताओं को पोष्टिक हरा चारा खिलाया किया। इससे पूर्व आश्रम व्यवस्थापक अमित शर्मा के साथ आए सभी बुजुर्ग पुरुष एवम महिलाओ का समिति सदस्याओ द्वारा राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के नेतृत्व में एवम तीर्थक्षेत्र प्रभारी ब्रह्मचारी भईया सुकांत जैन के मुख्य आथित्य में तिलक लगाकर एवम माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम संयोजक श्री दिगंबर जैन महासमिति के अध्यक्ष अतुल पाटनी के संयोजन में एवम महावीर प्रसाद कमल कुमार छाबड़ा रानोली वालो के सहयोग से सभी बुजुर्गों को सम्मान सहित मिष्ठान युक्त स्वादिष्ठ भोजन कराया गया। समिति की इस सेवा से सभी बुजुर्ग भाव विभोर हो गए ओर सभी सदस्यों को अपना आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर समिति संरक्षक एवम समाजसेवी राकेश पालीवाल, अरविंद सेठी, महेश पाटनी, महेंद्र काला,शांता काला सुषमा पाटनी,पूजा सेठी पायल जैन आदि ने नारेली पहुंचकर सभी बुजुर्गों को अपनेपन का अहसास दिलाया। नारेली प्रभारी ब्रह्मचारी भईया सुकांत जैन ने समिति के इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए सभी आश्रम वासियों की कुशलक्षेम पूछी।

श्री वीर सेवक मण्डल जयपुर
चंग ढप की विशेष प्रस्तुति
फूलों की रंगारंग होली
दिनांक 4 मार्च, 2023 सांय 7.00 बजे
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर
दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता
श्रेष्ठी श्री उमरावमल जी नवीन जी संघी
मुख्य अतिथि
श्रेष्ठी श्री अनिल जी उमा जी दीवान
आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित है।
: निवेदक :
श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर
महेश काला
अध्यक्ष
98292-20151
अरुण कोड़ीवाल
उपाध्यक्ष
भानु कुमार जैन छाबड़ा
मानद् मंत्री
94136-76324
सुरेश भौंच
संयुक्त मंत्री
राकेश छाबड़ा
कोषाध्यक्ष
निर्मल पाटनी
स्टोर इंचार्ज
: कार्यकारिणी सदस्य :
प्रदीप गोधा • नरेश कासलीवाल • महेश बाकलीवाल • शरद बाकलीवाल • राजकुमार छाबड़ा
भानुकुमार जैन छाबड़ा
संयोजक
राकेश कुमार छाबड़ा
सह-संयोजक
महेश बाकलीवाल
सह-संयोजक

सुभाष जैन बने भारतीय जैन मिलन फाउन्डेशन ट्रस्टी

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र संख्या 12 के राघौगढ़ मे आयोजित क्षेत्रीय अधिवेशन में सुभाष जैन कैंची बीडी सहित कुल 11 फाउन्डेशन ट्रस्टी बनाये गये। क्षेत्रीय अध्यक्ष नरेश जैन ने बताया कि भारतीय जैन मिलन फाउन्डेशन निर्धनों की सहायता के लिए जैन मिलन शाखाओं के माध्यम से प्रोजेक्ट मंगाकर सहायता देती है। ट्रस्टी जो राशि दान देते है उसके ब्याज से बड़े प्रोजेक्ट के लिए राशि जारी की जाती है। क्षेत्रीय अधिवेशन में सुभाष जैन कैंची बीडी ने ट्रस्टी बनने की घोषणा की तत्पश्चात शीतलचंद जैन कोठारी राघौगढ़, प्रमोद चौधरी गुना, राजेश कुमार जैन ठेकेदार राघौगढ़,चम्पाकली देवी पत्नी के सी जैन, देवास डा. प्रमोद जैन देवास, डॉ.ममता भंडारी गंजबासौदा, रेखा अनिल-जैन भोपाल, सुनील जैन बेलई अशोक नगर,अनिल जैन चंदेरी, सपना सुरेन्द्र जैन भोपाल ने भी फाउन्डेशन से जुड़ने की स्वीकृति दी। उन्हें फाउन्डेशन के चेयरमैन नरेशचंद जैन सोनीपत ने माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। साथ उपरोक्त सभी नए ट्रस्टियों को सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्यों के लिए नवगठित संस्था जैन मिलन सेंट्रल को श्रेष्ठ शाखा सम्मान प्रदत्त किया गया जिसे सुभाष जैन, महेंद्र कडेसरा, राजेश तारई,वीरेंद्र जैन अथाईखेड़ा एवं जितेंद्र जैन ने ग्रहण किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जल और 'जलना', ''पानी और आग''

डा. मालती गुप्ता
पूर्व विभागाध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न्स
एसएमएस मेडिकल कॉलेज

आओ बच्चों तुम्हें सिखाएं,
जलने का उपचार आज,
'ज' से जल है,
'ज' से जलना,
रखो याद यह खास़ बात ।
1. जब जल जाए अंग किसी का,
गरम दूध या चाय से,
झटपट उस हिस्से पर डालो,
नल का पानी धार से ।
जल गए हो तो जल्दी से,
पानी डालो ''अरे ,पानी डालो भाई , पानी डालो।
2. पानी डालो जली त्वचा पर
जब तक जलन शांत हो जाए
आग और पानी का संगम
मंत्र याद रखना यह हरदम
जब जल गए हो तो, जल्दी से, पानी डालो
अरे, पानी डालो भाई, पानी डालो।
3. ठंडा पानी और बरफ हैं
जली त्वचा के जानी दुश्मन
इन दोनों से दूर ही रहना
दूर से करना इन्हें नमन
4. इनके पीछे-पीछे आते
टूथपेस्ट और स्याही हैं
आटा, तेल औ गोबर, माटी
भी इनके हमजोली हैं।
5. जली त्वचा को दूर ही रखना
इन सब रिश्तेदारों से
जली त्वचा पर वार करें ये
छुपे हुए हथियारों से
जब जल गए हो तो जल्दी से, पानी डालो
अरे, पानी डालो भाई, पानी डालो।
6. अगर बन गए बड़े फफोले
उनको तुम मत फोड़ना
धीरज रखना, ध्यान से रहना
उनको तुम मत छेड़ना
जब जल गए हो तो जल्दी से, पानी डालो
अरे पानी डालो भाई, पानी डालो।
7. आग से जलकर कपड़े भी गर
चिपक गए हैं जली त्वचा से
चिपके रहने देना उनको
छेड़छाड़ मत करना उनसे
काम है केवल करना एक
पानी डालो, जब जल गए हो तो,
जल्दी से,पानी डालो।
8. जब जलन शांत हो जाए
तब ढकलो साफ रुमाल से
और लेओ सलाह मशविरा
मैडम डाक्टर साहब से
जब जल जाओ तो जल्दी से, पानी डालो
अरे पानी डालो भाई, पानी डालो।
9. 'ज' से जल है, 'ज' से जलना
बच्चा बच्चा बोलेगा
जल जाओ तो पानी डालो
हर बच्चा अब बोलेगा।
10. आज बना है नारा न्यारा
ज से जल है, ज से जलना
इस नारे को हरदम अब है
मन में रखना, दिल में रखना
जब जल जाओ, जल्दी से भई
जले भाग पर पानी डालो
जल जाओ तो जल्दी से भई जली त्वचा पर
पानी डालो
अरे, पानी डालो भाई, पानी डालो।

पारीक महिला कॉलेज को राज्य स्तरीय पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया। एस. एस. जी. पारीक पीजी महिला कॉलेज जयपुर, को राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी व मोहन लाल सुखाडिया यूनिवर्सिटी की ओर से उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में 2021-22 में रेड रिबन क्लब के तहत वर्ष पर्यन्त एचआईवी और स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में की गई उत्कृष्ट विभिन्न गतिविधियों के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजय लक्ष्मी पारीक ने सबका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान निरंतर अपने कार्यों से राष्ट्र और समाज की सेवा में समर्पित रहेगा। पारीक प्रबन्ध कार्यकारणी के सचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने उपलब्धि के इस गौरवपूर्ण क्षण के लिए महाविद्यालय को शुभकामनाए प्रेषित की,साथ ही आरआरसी अधिकारी डॉ. रितु शर्मा, डॉ. दीपिका शर्मा, श्रीमति अनामिका वर्मा के सराहनीय कार्यों के लिए बधाई दी।

नि : शुल्क चिकित्सा परामर्श व जांच शिविर में 98 लोगों ने उठाया लाभ

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। कस्बा स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अतिशय क्षेत्र कोटखावदा एवं मेट्रो मास अस्पताल जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को निः शुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का भव्य आयोजन हुआ।प्रचार -प्रसार मंत्री अमन जैन कोटखावदा ने बताया कि 26 फरवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक जैन धर्मशाला में शिविर आयोजित हुआ, जिसमें 98 लोगों ने लाभ उठाया । मंदिर समिति के महामंत्री दीपक वैद ने बताया कि शिविर में ईसीजी, ब्लड प्रेशर आदि जांचें निः शुल्क की गई।राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मेट्रो मास अस्पताल की ओर से शिविर में डॉ श्याम सुंदर लक्षकार, डॉ हनुमान सिंह, नर्सिंग ऑफिसर सुमन चौधरी, नेहा जांगिड़, मार्केटिंग मैनेजर प्रदीप सिंह एवं सहायक मेनेजर

रजत जैन ने शिविर में अपनी निः शुल्क सेवाएं दी।इस मौके पर मंदिर समिति की ओर से चिकित्सा कर्मियों का स्वागत किया गया।

आठ दिवसीय चौबीस मण्डलीय श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान महोत्सव हुआ प्रारम्भ

फतेहपुर. शाबाश इंडिया। स्थानीय श्री 1008 शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में सोमवार से चौबीस मण्डलीय श्री श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान महोत्सव प्रारम्भ हुआ ।आठ दिवसीय इस महोत्सव मे प्रथम दिन प्रातः देव आज्ञा, आचार्य निमंत्रण, मंगलाष्टक व श्री जी के अभिषेक व शांतिधारा हुई ।मुख्य कार्यक्रम का प्रारम्भ ध्वजारोहण से हुआ।ध्वजारोहण व मंडप उद्घाटन का सौभाग्य मिश्रीलाल महेश कुमार अंकित कुमार काला परिवार को प्राप्त हुआ।विधान के पहले दिन प्रातः गाजे बाजे के साथ

मंगल कलश शोभायात्रा निकाली गई, यात्रा अलग-अलग मार्गों से होते हुए बावड़ी गेट बड़ा मन्दिर स्थित आयोजन स्थल पहुँची ।संयोजक व मंत्री सुरेश गोधा ने बताया कि प्रातः श्रीजी की शोभायात्रा का आयोजन किया गया जो बावड़ी गेट स्थित बड़ा मंदिर से शुरू होकर मुख्य बाजार , छोटा मंदिर, सिकरिया चौरस्ता होते हुए वापस बड़ा मंदिर पहुँची । इसके पश्चात प्राचीन मंदिर बड़ा मन्दिर में श्री जी को सिंहासन पर किया गया ।श्रीजी के रथ में बैठने का सौभाग्य जयकुमार कमल कुमार गोधा व श्री जी के रथ का सारथी बनने का सौभाग्य कन्हैयालाल नरेंद्र कुमार सेठी को प्राप्त हुआ । प्रमोद छाबड़ा व कमल गोधा ने बताया कि माल पहनने का सौभाग्य सज्जन सरावगी परिवार व आरती का सौभाग्य धर्मचंद बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ ।विधान महोत्सव में प्रथम दिन मंडप शुद्धि, मंडल प्रतिष्ठा, सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा आदि कार्यक्रम हुए ।दीपप्रज्वलन धर्मचंद विजय कुमार राकेश कुमार मनोज कुमार मनीष कुमार बड़जात्या परिवार द्वारा किया गया ।मंडल उद्घाटन का सौभाग्य कन्हैयालाल सुरेन्द्र कुमार सेठी को प्राप्त हुआ ।मंगल कलश स्थापना व अन्य मांगलिक कार्यक्रमो के पश्चात जिन पूजा विधान प्रारम्भ हुआ।

विशाल घटयात्रा के साथ श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का हुआ शुभारंभ

दिनांक 27 फरवरी से 6 मार्च 2023 तक चलेगा विधान

कोटा. शाबाश इंडिया। परम पूज्य राष्ट्रसंत मुनि श्री चिन्मय सागर जी महाराज जंगल वाले बाबा की पावन प्रेरणा से निर्मित 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर आर के पुरम में फाल्गुन मास की आष्टानिका के पावन सुअवसर पर विशाल घटयात्रा के साथ श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का शुभारंभ हुआ। समिति के अध्यक्ष महावीर जैन, महामंत्री पवन पाटौदी, कोषाध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने बताया कि प्रातः काल मंगलाष्टक के बाद मूलनायक भगवान पर प्रथम अभिषेक राकेश ठोरा परिवार जन ने किया।विश्व में शांति की मंगल कामना से शांति धारा विनय प्रवीण दिनेश सेठिया परिवारजन ने की। ध्वजारोहण का सौभाग्य पवन पाटोदी श्रीमती जयंती पाटोदी परिवार जन को मिला।राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी एवं मंदिर समिति के प्रचार प्रसार मंत्री पारस जैन पार्श्वमणि ने बताया कि श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान फागुन मास की आष्टानिका के पावन अवसर पर दिनांक 27 फरवरी से 6 मार्च तक श्रद्धा भक्ति भाव और समर्पण के साथ आयोजित किया जाएगा।आज ध्वजारोहण के बाद आचार्य निमंत्रण इंद्र प्रतिष्ठा सकलीकरण मंडप शुद्धि की विधि विधान की क्रियाएं पंडित अभिषेक शास्त्री एवं पंडित शुभम शास्त्री के द्वारा कराई गई ।भव्य घट यात्रा में सबसे पहले बैंड बाजे फिर 51 मंगल कलश सिर पर रख कर महिलाए केशरीया परिधान में एवम पुरुष सफेद परिधान में चल रहे थे। प्रचार प्रसार मंत्री पारस जैन पार्श्वमणि ने बताया कि इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष विमल जैन नांता, महामंत्री विनोद जैन सहित सैकड़ों श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

मुरेना में आठ दिन होगी सिद्धों की आराधना

घटयात्रा एवं ध्वजारोहण से विधान का हुआ शुभारम्भ

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान का शुभारम्भ हुआ।देवेंद्रनगर से आये प्रतिष्ठाचार्य संकेत जैन के आचार्यत्व में सर्वप्रथम मूलनायक श्री पार्श्वनाथ भगवान को श्रीफल अर्पित कर विधान की आज्ञा लेकर गुरुमां गणिनी आर्यिका श्री लक्ष्मीभूषण, श्री स्वस्तिभूषण, श्री अंतसमती माताजी को श्रीफल अर्पित कर

आमंत्रित किया गया।समस्त आर्यिका संघ को बैड बाजे के साथ बड़े जैन मंदिर से आयोजन स्थल लर जाया गया ।सर्वप्रथम श्री नसियां जी जैन मंदिर से विशाल एवं भव्य घटयात्रा प्रारम्भ हुई । घटयात्रा में सौभाग्यवती महिलाएं सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी ।नसियां जी बालिका मंडल की बालिकाएं अपनी पारम्परिक परिधान में हाथों में ध्वज लेकर चल रहीं थी ।युवा साथी जुलूस में भक्ति नृत्य कर रहे थे ।घटयात्रा जुलूस में सौधर्म इंद्राणी श्रीमती सुलोचना जैन, कुबेर इंद्राणी श्रीमती ऊषा किरण जैन, यज्ञनायिका श्रीमती शीलादेवी जैन एवं मैनासुंदरी श्रीमती जूली जैन मंगल कलश लेकर आगे आगे चल रहीं थी।घटयात्रा के आयोजन स्थल पर पहुचने पर मुरेना के उद्योग पति, श्रावक श्रेष्ठि महेशचंद बंगाली, विजय जैन, राकेश जैन, राहुल जैन शैंकी अझेड़ा परिवार एवं पवन जैन ऋषभ, शुभम जैन, ऋषभ इंटर प्राइजेज परिवार द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक द्वारा गुजरात के तीर्थ क्षेत्रों और दर्शनीय क्षेत्रों की यात्रा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक के 28 सदस्यों का यात्री दल 17 से 25 फरवरी 2023 में गुजरात के धार्मिक एवं पर्यटन महत्व के स्थलों : तरंगा जी, चैतन्यधाम, पालिताना, मणिमहल, सोनगढ़, गिरनार जी, सोमनाथ, **statu of unity**, गिर सेंचुरी, दीव और रिवर फ्रंट ब्रिज एवम पार्क की यात्रा आयोजित की। ग्रुप में सतीश बाकलीवाल अध्यक्ष, अमरचंद उपाध्यक्ष, विनय छाबड़ा उप सचिव, श्रीमती रंजू बाकलीवाल उपाध्यक्ष तथा अशोक जैन, निदेशक, पवन ठोलिया, कोषाध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों ने सानंद यात्रा की।

रीढ़ की हड्डी के ऊपर निकली पैदाइशी गांठ का सफल ऑपरेशन

फॉलिक एसिड की कमी से होता है यह रोग

कोटा. शाबाश इंडिया। शौपुर निवासी एक दंपति के नवजात बालक की रीढ़ की हड्डी के ऊपर पैदाइशी गाँठ देख सभी हैरान थे व उन्हें तुरंत कोटा में वरिष्ठ शिशु शल्य चिकित्सक डॉ समीर मेहता के पास रेफर किया। डॉ समीर ने वल्लभ बाड़ी स्थित मेहता नर्सिंग होम में बालक का सफल ऑपरेशन कर नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में रखा। इस बीमारी को मेडिकल भाषा में मेनिंगोंमायलोसील कहते है ।इस बीमारी में शरीर के निचले हिस्से में कमजोरी के साथ मल मूत्र पर कंट्रोल की कमी भी रह सकती है। ऑपरेशन पश्चात सर का आकार भी बड़ सकता है। डा समीर ने इस बीमारी के सत्तर से अधिक ऑपरेशन कर रखे हैं। अगर गर्भ ठहरने के दो माह पूर्व से फॉलिक एसिड की गोली का सेवन किया जाये तो यह जटिल रोग से बचाव हो सकता है। अधिकांश देखा जाता है कि गर्भ में बच्चा ठहरने के बाद डॉक्टर को दिखाते है और फिर स्त्री रोग विशेषज्ञ यह गोली व आयरन की गोली सेवन के लिए देती है जिसका इस बीमारी के बचाव में बहुत अधिक योगदान नहीं रहता। हाड़ौती व मध्य प्रदेश में खान पान की कमी के कारण यह पैदाइशी रोग काफी नवजात में मिलता है। अच्छे खानपान हरी सब्जी ,फल ,दाल के साथ फॉलिक एसिड की गोली शादी के बाद लेनी चाहिये। डॉ. समीर मेहता

अष्टान्हिका महापर्व शुरू

चिंतामणि पार्श्वनाथ मंदिर में सिद्ध चक्र मंडल विधान का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

उपाध्याय उर्जयंत सागर जी महाराज के सानिंध्य मे चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार मे जैन धर्म के महापर्व अष्टान्हिका महापर्व का शुभारंभ हुआ। मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया सिद्धों की महाआराधना महापर्व की शुरूआत आदिनाथ भगवान के अभिषेक, शांतिधारा से हुई।आज की महाशांति धारा रमेश, पवन जैन, अजय जैन परिवार की ओर से हुई। मुख्य संयोजक पवन गोदिका ने बताया मुनि संघ व्यवस्था के अध्यक्ष देव प्रकाश खंडाका, सतीश, महेश खंडका परिवार ने झण्डारोहन से कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत हुई। कार्यक्रम मे मुख्य कलश स्थापना कर्ता ताराचंद् जैन स्वीट कैटरस थे। जाप्य कलश स्थापना कर्ता राकेश, सुखानंद काला, सारंग काला, परिवार थे। पूजा में पवन सरोज गोदिका, अरूण शशि जैन, किरण सेठी,इंदु जैन, संतोष जैन सडु वाले, वीरेंद्र जैन, मधु जैन,धर्मेंद्र गोदिका प्रमुख इंद्र थे।